



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 107] नई दिल्ली, बुधवार, मार्च 21, 1991/फाल्गुन 30, 1912
No.107] NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 21, 1991/PHALGUNA 30, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रह संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1991

भा.का.नि. 168 (अ).—भारत के राजपत्र (असाधारण) भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) दिनांक 29-3-90 के पृष्ठ 1-5 पर प्रकाशित भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की 29-3-90 की अधिसूचना संख्या जी.एस.आर. 411(अ) में :—

(1) पृष्ठ 1 पर उद्धृष्टिका में :—

(1) दूसरी पंक्ति में “के लिए करने कतिपय प्रारूप” के स्थान पर “करने के लिए कतिपय प्रारूप” पढ़ें

- (2) छठी और सातवीं पंक्ति में "तरीख" के स्थान पर "तारीख" पढ़ें;
- (3) छठी पंक्ति में "साथ" और "राजपत्र" के स्थान पर क्रमशः "साथ" और "राजपत्र" पढ़ें;
- (4) नवीं पंक्ति में "संभावना" के स्थान पर "संभावना" पढ़ें;
- (5) दसवीं पंक्ति में "अक" के स्थान पर "उक्त" पढ़ें;
- (6) ग्यारहवीं पंक्ति में "तीन" के स्थान पर "तीस" पढ़ें;
- (7) (1) नियम 1 के उपनियम 1 में "(संशोधन) द्वितीय" के स्थान पर "(द्वितीय संशोधन)" पढ़ें;
- (8) (2) नियम एक के उप नियम 2 में "प्रकाशन" और "तरीख" के स्थान पर क्रमशः "प्रकाशन" और "तारीख" पढ़ें;
- (3) नियम 2 के उप नियम 2 में "द्वार" के स्थान पर "द्वारा" पढ़ें।

[संख्या पी. 15014/7/85-पी.एच. (एफ एंड एन.)]

बलबीर सिंह, संयुक्त सचिव